

वर्ष 2 अंक 10 ■ नई दिल्ली, मार्च 2010

## विचार परिक्रमा

महत्वपूर्ण मुद्दों पर केंद्रित शोध पत्रिका

**संपादक**  
शरद गोयल

**सहायक संपादक**  
ज्योति मिश्रा  
शशिकांत

**सहयोग**  
अमित नारायण (मुंबई)

**विज्ञापन और मार्केटिंग**  
भास्कर चौधरी

**साज सजा**  
संकल्प सर्विसेज  
मो.: 9811891265

### संपर्क

ई 1/4 पांडव नगर, पटपड़ांज,  
मदर डेयरी के सामने, नई दिल्ली-110092  
फोन.: 011-22481201  
मो.: 9999336096

ईमेल [vichar.p@gmail.com](mailto:vichar.p@gmail.com)  
WEBSITE - [www.vicharparikrama.com](http://www.vicharparikrama.com)

### ब्रांच आफिस

मीडिया सर्विसेस प्रा. लि.  
आईबीपी पेट्रोल पंप, नाथपुर  
डीएलएफ फेज-3, गुडगांव, हरियाणा  
फोन : 0124-2350851, 2350852  
मो.: 9873940115

स्वामी, संपादक, मुद्रक, प्रकाशक  
शरद गोयल द्वारा ई 1/4 पांडव नगर,  
नई दिल्ली-110092 से प्रकाशित और  
आई. ए. प्रिंटर्स, सी-25, न्यू ब्रजपुरी,  
खुरेजी, नई दिल्ली-110051 से मुद्रित।

नोट: पत्रिका में प्रकाशित आलेखों में व्यक्त  
विचार लेखक के हैं। उनसे संपादकीय  
सहमति होना अनिवार्य नहीं है। पत्रिका से  
संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए  
न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा।

कॉपीराइट : विचार परिक्रमा



## जनता के खिलाफ जंग

देश में संघर्षों की ऐसी तमाम धाराएं हैं जिनमें हर किस्म के लोग लगे हुए हैं- वे भूमिहीन हैं, दलित हैं, श्रमिक, किसान, बुनकर हैं। ये सभी अन्याय के खिलाफ खड़े हैं, ऐसी नीतियों के खिलाफ जो लोगों की जमीनों और संसाधनों पर कॉर्पोरेट कब्जे को मंजूरी देती हैं

अरुंधति राय ..... 8



दून स्कूल से नक्सलवाद तक:	विनीत नारायण	12
बंद हो ऑपरेशन ग्रीन हंट:	प्रफुल्ल बिदवई	18
सवालियों का जवाब दें नक्सलवादी:	अनिल कुमार	24
क्यों हो माओवादियों से बातचीत :	राजेंद्र शर्मा	27
नक्सलबाड़ी विद्रोह का सांस्कृतिक पक्ष:	प्रणय कृष्ण	31
अनदेखी से उपजा विद्रोह:	कुमार नरेन्द्र सिंह	34
प्रधानमंत्री के नाम एक खत:		37

### किसका हित साध रहे हैं नक्सलवादी

भारतीय जनता के क्रांतिकारी रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए यह जरूरी है कि सांप्रदायिक हमले को कमजोर किया जाए तथा उसे शिकस्त दी जाए। इस लड़ाई में माओवादी कहां खड़े हैं? सीताराम येचुरी .....14

